ST. LAWRENCE HIGH SCHOOL

FOR GOD AND COUNTRY

A JESUIT CHRISTIAN MINORITY INSTITUTION

Study Material - 4

CLASS – IX

F.M. –15

SUBJECT – HINDI **DATE-07.05.2020**

CHAPTER NAME- स्त्री शिक्षा के कुतर्कों का खंडन

---

1. सभी प्रश्नों के उत्तर को पढ़कर याद कीजिए।

क. नागरिक शब्द का क्या अर्थ है ? +1

उत्तर . वे लोग जो पढ़े लिखे सभ्य और सुसंस्कृत होते हैं उन्हें नागरिक कहा जाता है ।

ख. प्राकृत भाषा में रचित ग्रंथों के नाम लिखिए? +1

उत्तर. प्राकृत भाषा में रचित ग्रंथों के नाम है गाथा सप्तशती सेतुबंध महाकाव्य और गोपाल पाल चरित्र आदि।

ग. प्राचीन काल की भाषाओं के नाम लिखिए? +1

उत्तर. शौरसेनी मां गधी महाराष्ट्री और पाली आदि उस जमाने की अर्थात प्राचीन काल की भाषाएं हैं।

घ. पाठ में पुरुषों का क्या करना अनर्थ बताया गया है? +1

उत्तर. बम के गोले फेंकना नर हत्या करना डाके डालना चोरियां करना घूस लेना आदि पाठ में पुरुषों के अनर्थ बताए गए हैं।

ड०. बड़े शोक की बात क्या है? +1

उत्तर. स्त्री शिक्षा को अपने तथा नगरी सुख के नाश का कारण समझना बरस रोक की बात है।

च. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के जीवन तथा साहित्य का संक्षिप्त परिचय दीजिए । +5

उत्तर. जीवन परिचय- आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी हिंदी साहित्य के जाने-माने लेखक हैं। उनका साहित्य जगत पर बहुत गहरा प्रभाव रहा है । इसी कारण आधुनिक काल में एक युग का नाम दिवेदी युग रखा गया उनका जन्म 1864 ई. में उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में दौलतपुर गांव में हुआ। एक गरीब परिवार में जन्मे थे घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी । इसलिए उन्होंने स्कूली शिक्षा बीच में

ही छोड़ दी और रेलवे में नौकरी कर ली अंग्रेज अधिकारी से संघर्ष होने के कारण उन्होंने त्यागपत्र दे दिया सन 1903 ईस्वी में उन्हें हिंदी जगत की सबसे प्रसिद्ध पत्रिका सरस्वती का संपादक बनने का सौभाग्य मिला उन्होंने इस पत्रिका को बहुत ऊंचाइयों तक उठाया 1920 ईस्वी तक वे उस का संपादन करते रहें । सन् 1938 में उनका देहांत हो गया।

काव्य कृतियां- महावीर प्रसाद द्विवेदी की प्रमुख रचनाएं हैं । साहित्य संदर्भ अद्भुत महिला मोद की उनकी कविताएं उनकी कविताएं। महावीर प्रसाद द्विवेदी बहुमुखी प्रतिभा के साहित्यकार थे। में संपादक भाषा विज्ञानी इतिहासकार अर्थशास्त्री समाजशास्त्री समालोचक अनुवादक और निबंधकार थे। कविता इनकी खड़ी बोली में लिखी गई है मैथिलीशरण गुप्त की काव्य भाषा को परिष्कृत करने का श्रेय उन्हीं को जाता है।

ज. प्रस्तुत पाठ स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन का संदेश क्या है? +5

उत्तर. प्रस्तुत पाठ में लेखक ने यह संदेश दिया है ।कि स्त्री शिक्षा समाज के रीड है। क्योंकि स्त्री का संबंध व्यक्ति परिवार और समाज सभी से होता है। यदि वही अशिक्षित रहेंगे तो अपने बच्चों को सही और अच्छे संस्कार कभी नहीं दे सकेंगे ऐसा माना जाता है, कि घर ही हमारी पाठशाला है और मां ही पहला गुरु होती है । अगर स्त्री ही अशिक्षित रहेंगे तो वह अपने बच्चों का लालन-पालन किस प्रकार करेंगी क्योंकि शिक्षा ही व्यक्ति को न मरता और सहनशीलता का पाठ पढ़ाती है ।और एक स्त्री के लिए लज्जा उसका सबसे बड़ा आभूषण होता है ।किंतु उसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि वह शिक्षा से अशिक्षा बल्कि शिक्षा है उसे उचित अनुचित को समझाती है शकुंतला और सीता के उदाहरणों के माध्यम से लेखक ने यही संदेश दिया है, कि स्त्री को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के तौर तरीके जानना आवश्यक है। इस संदर्भ में पुरुष और स्त्री के अंतर को महादेवी जी के शब्दों में- देखा जा सकता है पूर्व समाज का न्याय है स्त्री दया पुरुष प्रतिशोध में क्रोध है स्त्री क्षमा पूर्व शुष्क कर्तव्य है स्त्री सर सहानुभूति और पुरुष बल है स्त्री हृदय की प्रेरणा।

लेखक ने स्त्री शिक्षा के विरोधी ओं को उत्तर देते हुए महादेवी के शब्दों में यही संदेश दिया है कि हमें इससे आगे सोचना चाहिए और स्त्रियों को शिक्षित करना चाहिए और जो विरोधी इसका विरोध करते हैं उसका खंडन करना चाहिए।